आकाशवाणी केन्द्र शिमला

18.05.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

ऑपरेशन सिंदूर

केंन्द्र सरकार ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के विरूद्ध भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न देशों में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेज रही है। ये प्रतिनिधिमंडल इस महीने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों और अन्य प्रमुख देशों की यात्रा पर जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद, प्रमुख राजनेता और प्रबुद्ध राजनयिक शामिल होंगे। यात्रा का उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय सहमति और आतंकवाद से लड़ने के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण को विश्व के सामने रखना है।

तिरंगा यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय सेना के सम्मान में देश भर में भाजपा की तिरंगा यात्रा जारी है। इसी कड़ी में हमीरपुर में तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें भाजपा नेताओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। राज्यसभा सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार ने तिरंगा यात्रा में विशेष रूप से भाग लिया। यात्रा के दौरान भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे से सारा वातावरण गूंज उठा। सिकंदर कुमार ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा आतंकवाद के खिलाफ की गई कार्रवाई से पूरा देश खुश है और दुनिया भर में भारतीय सेना के पराक्रम को देखा गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने चंद मिनटों में पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया जो अपने आप में अभूतपूर्व है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वन विकास निगम को निजी ठेकेदारों को काम पर रखने की प्रथा को समाप्त कर, साइडर वुड स्टंप निकालने का कार्य स्वयं करने के निर्देश दिए हैं। शिमला में हुई एक बैठक में उन्होंने लगभग 10 हजार साइडर वुड स्टंप निकालने के लिए रोडमैप तैयार करने पर बल दिया। वन विकास निगम ने खैर और साल वृक्षों की सिल्वीकल्चर कटाई से राजस्व के रूप में प्राप्त रॉयल्टी का 41 करोड़ 30 लाख रुपये का चेक भी मुख्यमंत्री को भेंट किया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति से की गई यह कटाई न केवल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए लाभकारी रही है, बल्कि राज्य के राजस्व में भी योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग को गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जंगलों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित और प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वन अग्निशमन सेवाओं को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाकर आग की घटनाओं को नियंत्रित करना चाहिए। उन्होंने पौधों की जीवित रहने की दर में सुधार पर भी बल दिया।

परिसीमन

चंबा जिला परिषद व पंचायत समिति वार्डों के परिसीमन को लेकर दायर आपत्तियों की सुनवाई चम्बा में की गई। इस दौरान विभिन्न जिला परिषद सदस्यों सहित व पंचायत समिति सदस्यों ने उपायुक्त के समक्ष अपने मत रखे और परिसीमन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

जिला परिषद अध्यक्ष डॉ. नीलम कुमारी ने कहा कि परिसीमन के तहत उनका बखतपुर वार्ड खत्म कर दिया गया और उनके वार्ड की कई पंचायतें अन्य वार्डों में शामिल कर दी गई हैं।

देखिए जो कोलका और जटकरी है अब सोनारावाड में इसको जो इस तरह से किया गया था और जो कुछ पंचायते थी वो करियां वार्ड में कर दी गई थी। यो तो सिर्फ एक तरफ से ही मर्ज करना था तो सिर्फ एक तरफ से ही रखा जाता । अब जटकरी और कोलका पंचायत की जो समिति है जो कि हमारा जैसे 1994 के एक्ट में भी एक बात है जो भी समिति होती है जब भी परिसीमांकन होता है उसको इकाई मानते हुए निर्धारण किया जाता है बार्ड की सीमाओं का अब जडकरी पंचायत हमारी जा रही है सुनारा और बड़िया पंचायत अब जा रही है करियां वार्ड में, अब सेम जो सिटुवेशन है जो कोलका और कुपाड़ा के साथ क्योंकि करियां में तो

जस्टीफिकेशन जो है वो भी रूल के आधार पर भी यहां थोड़ा पर कुछ आप्पति थी वो हमने बताया था और हम यही उम्मीद करेंगे की प्रशासन से कि प्रशासन इसका परिसीमांकन करे और दोबारा इसका अवलोकन करके इसका ज्योग्राफिकल एज वैल एज जो पॉपूलेशन के आधार पर इसको दोबारा देखकर इस पर निर्णय इसपर किया जाये।

वहीं इस सुनवाई के उपरांत उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार 31 मई से पूर्व जिला परिषद और पंचायत समिति वार्डों के परिसीमन की अधिसूचना जारी होनी है। उन्होंने कहा नियमानुसार सारी कार्यवाही अमल में लाकर एक सप्ताह के भीतर परिसीमन को लेकर अंतिम अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

जो हमने इनिशियल नोटिफिकेशन जारी किया था। उसके अर्न्तगत जो भी ऑब्जेक्शन आए थे उसमें एक मौका दिया गया था सभी लोगों को अपना पक्ष रखने का । जो इसके अन्दर कुछ ऑब्जेक्शनज है हम उनको एक्जामिन करके उनके बेसिज पर डिसीजन लेकर एक वैल रिजंड ऑर्डर के बाद हम लोग जो फाईनल परिसीमन की जो अधिसूचना है वो जारी करेंगे। इसमें अभी 5 से 7 दिन का जो समय है वो और लगेगा।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज हल्के बादल छाये हुए है। हालांकि प्रदेश के किन्नौर व चंबा में मौसम साफ बना हुआ है। ऊना में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कुछ ज़िलों कांगड़ा, कुल्लू, मण्डी, शिमला, सोलन और सिरमौर में ओलावृष्टि व तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।